

  
**भारत का राजपत्र**  
*The Gazette of India*

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 282] नई दिल्ली, सौमवार, अगस्त 17, 1981/शावण 26, 1903

No. 282] NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 17, 1981/SAVANA 26, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

नींवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्रन पक्ष)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1981

सं० का० नि० 486 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्रन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की घारा 34 के द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुख्य महापत्रन के लिए उक्त अधिनियम की घारा 36 के अधीन नियुक्त प्राधिकारी से परामर्श करने के पश्चात् तटीय अलयानों को (मुख्य महापत्रन के भीतर कलने वाले बजरों को छोड़कर) उक्त अधिनियम की घारा 33 के अधीन मुख्य महापत्रन पर उद्ग्रहणीय कुल पत्रन शुल्क के दस प्रतिशत के बराबर शुल्क के संकाय से इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करती है।

[का० सं० वी आ० शार 25/81 (1)]

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT**

(Ports Wing)

New Delhi, the 17th August, 1981

**NOTIFICATIONS**

**G.S.R. 486(E).**—In exercise of the powers conferred by section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government after consulting the authority appointed under section 36 of the said Act for the Major Port of Bombay, hereby exempts the coastal vessels (except the barges plying within the Major Port of Bombay) from the payment of port dues equal to 10 per cent (ten per cent) of the total port-dues leviable under section 33 of the said Act at the Major Port of Bombay, for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. POR-25/81(I)]

सां. नं. प्रा. 487 (अ) —केन्द्रीय सरकार, भारतीय पन्न अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (3) के बाग प्रदत्त सक्षियों का प्रयोग करते हुए तटीय जलवाहाओं को (मुख्य महापत्तन के भीतर चलने वाले बजारों को छोड़कर) उक्त धारा की उपधारा (1) के प्रतीत मुम्बई महापत्तन में प्रसार मर्ग दर्तन कीम के दस पैसेंशत के बराबर मार्ग-दर्तन फीस की इस अधिसूचना के अन्तर्वाले में प्रतिशेष होने की वार्ता से एक वर्ष के लिए छठ प्रदान करती है।

[फा० सं० प्रा० 25/81)]

दिलेख कुमार जैन, संसूल सचिव

**G.S.R. 487(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby remits, in the case of the coastal vessels (except the barges plying within the Major Port of Bombay), the fees for pilotage equal to 10 per cent (ten percent) of the fees for pilotage chargeable under sub-section (1) of the said section at the Major Port of Bombay for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PGR-25/81]

D. K. JAIN, Lt. Secy.